

प्रपत्र—अ

सैलाना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वर्ष 2014-15 से प्रश्न दिनांक तक विद्युत पोल शिफ्टिंग के कार्य की जानकारी विधानसभा प्रश्न क्रं.-2912 तारांकित

वर्ष	कार्य का नाम	एजेन्सी का नाम	अनुबंध का दिनांक	अनुबंधानुसार पूर्ण की दिनांक	कार्य पूर्णता दिनांक	यदि कार्य समय सीमा में पूर्ण नहीं किया गया, तो कारण	निरीक्षणकर्ता विभागीय अधिकारी का पद	रिमार्क
1	2	3	4	5	6	7	8	9
2014.15	---निरंक---							
2015.16	रतलाम-सैलाना-बांसवाड़ा (सैलाना आंतरिक मार्ग) के पोल शिफ्टिंग कार्य। अनुबंध क्रं. 85 / 15-16	मेसर्स पार्थ कन्स्ट्रक्शन इन्दौर	23-01-2016	22-09-2016	18-11-2017	शहरी क्षेत्र में अतिक्रमण देरी से हटायें जाने के कारण पोल लगाने में देरी हुई	(1) मुख्य अभियंता लो.नि.वि. उज्जैन (2) कार्यपालन यंत्री कार्यालय मुख्य अभियंता लो.नि.वि. उज्जैन (3) कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. वि / यां. उज्जैन	परिशिष्ट 'पैंतीस' प्रश्न सं. [क्र. 2912]
	सैलाना शिवगढ़ रावटी मार्ग के पोल शिफ्टिंग कार्य। अनुबंध क्रं. 72 / 15-16	मेसर्स नन्दराम कुशवाह बड़वानी	04-01-2016	03-07-2016	05-06-2017	एम.पी.ई.बी. का प्राक्कलन देर से प्राप्त होने के कारण विलम्ब हुआ		
2016-17	---निरंक---							
2017-18	---निरंक---							

[12/3/2018]

प्रपत्र-“अ-1”

विधानसभा तारांकित प्रश्न क्र. 2912 द्वारा माननीय विधायक श्रीमती संगीता चारेल के प्रश्नांश 'क' एवं 'ख' के अन्तर्गत वर्ष-2014-15 से प्रश्न दिनांक तक सैलाना विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत म.प्र. सड़क विकास निगम द्वारा सड़क निर्माण हेतु विद्युत लाईन एवं पोल शिप्टिंग की जानकारी

क्र.	सड़क का नाम	लम्बाई	योजना का नाम	निवेशकर्ता एजेन्सी का नाम	अनुबन्ध दिनांक	वास्तविक कार्य पूर्णता दिनांक	विद्युत लाईन तथा पोल शिप्टिंग की एजेन्सी का विवरण	विद्युत लाईन तथा पोल शिप्टिंग कार्य के पर्यवेक्षण अधिकारी	कब-कब निरीक्षण किया गया
1	रतलाम-सैलाना- बांसवाड़ा मार्ग बीओटी (टोल+एन्यूटी)	43.58 कि.मी.	बी.ओ.टी. (टोल+एन्यूटी)	मे.अग्रोह रतलाम टोलवेज प्रा. लि., महु	17.05.13	27.06.2015	मे.अग्रोह रतलाम टोलवेज प्रा. लि, महु	म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लि. रतलाम के कार्यपालन यंत्री / कनिष्ठ अभियंता	समय-समय पर

- कार्य समय-सीमा में पूर्ण किया गया।
- निगम अन्तर्गत विभागीय अधिकारियों के रूप में स्वतंत्र सलाहकार मेसर्स एल.एन. मालवीय इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्रा. भोपाल द्वारा पर्यवेक्षण का कार्य किया गया।